

प्रेषक,

शैलेश बगौली,  
प्रभारी सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
खेल निदेशालय,  
उत्तराखण्ड।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग -2

देहरादून दिनांक : 06 जनवरी, 2015

विषय :- भगवानपुर जनपद हरिद्वार के अन्तर्गत एक इंडोर बैडमिन्टन स्टेडियम की स्थापना हेतु धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-467/भग.स्टे.पत्रा./2014-15 दिनांक 18.07.2014 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भगवानपुर जनपद हरिद्वार के अन्तर्गत एक इंडोर बैडमिन्टन स्टेडियम की स्थापना हेतु उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, ऋषिकेश, जिला हरिद्वार को कार्यदायी संस्था नामित करते हुए प्रथम चरण के कार्यों हेतु प्रस्तुत आगणन ₹5.00 लाख के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत ₹2.81 लाख (दो लाख इकसी हजार मात्र) की धनराशि धालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014, में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिससे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। उक्त कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वित्त विभाग के शासनादेश सं0-474/XXVII(7)/2008 दि0-15-12-08 के विहित शर्तों के अनुसार कार्यदायी संस्था से निर्धारित प्रपत्र पर एम0ओ0यू0 अवश्य हस्ताक्षरित करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि मदवार स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।
- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भूतली-नाति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
- अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष समय-समय पर वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण शासन को प्रेषित किये जाय तथा समस्त कार्य निर्धारित समय अवधि के भीतर ही पूर्ण किया जाना भी सुनिश्चित किया जायेगा।
- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 20-5-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- अधिप्राप्ति कार्यों हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

9. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैन्युअल, वित्तीय हस्तापुस्तिका से करने के लिए बजट मैन्युअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। कार्य करते समय टेण्डर विषयक नियमों का भी अनुपालन किया जाय। यदि टेण्डर करने में कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति की लागत से कम लागत पर पूर्ण होता है तो ऐसे समस्त बचतों को प्रचलित वित्तीय नियमों का अनुपालन कर राजकीय कोष में जमा कर दिया जाय।

10. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। तथा विलम्ब के कारण आगणन किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा। कार्य का गुणवत्ता परीक्षण नियोजन विभाग द्वारा वयनित सरथा से कराये जाने हेतु प्रस्ताव समयान्तर्गत नियोजन विभाग को प्रेषित करते हुए समयबद्ध कार्यवाही की जायेगी।

11. प्रथम चरण के कार्यों हेतु यदि किसी अन्य समरूप कार्य हेतु पूर्व में कशायी गयी डिजाइन/मानक-पूर्णरूप से अथवा आशिक रूप से विषयगत कार्यों हेतु प्रयोग की जा सकती है, तो नित्यव्ययता की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए तदनुसार कार्यवाही की जाय।

12. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा खेलकूद, कला तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिष्यय-03-खेलकूद तथा युवा सेवा-102-खेलकूद स्टेडियम-03-इन्डोर हॉल व हॉस्टल का निर्माण-24-वृहत निर्माण कार्य मानक मद के आयोजनागत प्रक्ष के नामे डाला जायेगा।

13. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-276(P)/XXVII(3)/2014-15 दिनांक 02.01.2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)  
प्रभारी सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 13/VI-2/2015-22(7)/2014 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओबशय बिल्डिंग, देहरादून।
2. वरिष्ठ प्रशासिकारी, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
4. निजी सचिव, मा० खेल मंत्री जी, उत्तराखण्ड को मा. मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
5. निजी सचिव, मा. मंत्री, समाज कल्याण को मा. मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
6. जिला कौशलधिकारी, हरिद्वार।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
8. परियोजना प्रबन्धक, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, हरिद्वार।
9. एन०अड०मी० सचिवालय देहरादून।
10. गाइड फाईल।

आज्ञा से,

(लक्ष्मण सिंह)  
संयुक्त सचिव।